Bareilly, Sunday, 10 May 2026
BAREILLY EDITION
Price ₹3.50/-
Pages 12

"मेरा सबसे प्यारा बच्चा है तू"

दैनिक जागरण

inext

PAGE NO.- 04 : MIDDLE

जन स्वास्थ्य को लेकर विशेष जागरूकता जरूरी: डा.धीमन

स्वास्थ्य क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए मरीज के पास रहकर सीखना जरूरी: देव मूर्ति

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (9 May): मरीजों का उपचार, भविष्य के चिकित्सकों को शिक्षा एवं ट्रेनिंग, बीमारियों पर शोध और जन स्वास्थ्य पर जागरूकता, यह स्वास्थ्य संस्थानों के चार पिलर हैं. इन सभी पर एक साथ काम होना जरूरी है. इसमें भी बीमारियों के प्रति लोगों को जागरूक कर स्वस्थ समाज निर्माण सबसे जरूरी जिम्मेदारी है. यह बात एसजीपीजीआई लखनऊ के डायरेक्टर पद्मश्री डॉ.आरके धीमन ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज में दो दिवसीय कांफ्रेंस दूसरी यूपीसीसीडीएसआईकोन और एसआरएमएस मेडिसिन अपडेट के छठवें संस्करण के पहले दिन मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन सत्र में कही. उन्होंने कहा कि किसी भी इंस्टीट्यूट का कद वहां किए जा रहे रिसर्च से ही बढ़ता है. इसी की बदौलत एम्स जैसे संस्थान ब्रांड बने हैं.

रिसर्च कार्य में पिछड़ने पर जताया दुख

कांफ्रेंस में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल रिसर्च सोसायटी फार स्टडी ऑफ डायबिटीज इन इंडिया (आरएसएसडीआई) के प्रेसिडेंट डॉ. अनुज महेश्वरी ने बढ़ते मेडिकल संस्थानों के बाद भी बीमारियों पर रिसर्च कार्य में पिछड़ने पर दुख जताया और इस पर पर जोर दिया. उन्होंने अपनी संस्था द्वारा रिसर्च पर दिए जा रही ग्रांट की भी जानकारी दी. इससे पहले उद्घाटन सत्र के आरंभ में एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला ने सभी का स्वागत किया. कांफ्रेंस की ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी एवं एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज स्थित मेडिसिन विभागाध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ.) स्मिता गुप्ता ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा. उद्घाटन सत्र का संचालन डा.हिमांशी खट्टर ने किया. इस अवसर पर यूपीसीसीडीएसआई के सेक्रेटरी डॉ.साजिद अंसारी, एपीआई बरेली के प्रेसिडेंट डॉ.अनुपम शर्मा, यूपी आईएमए के प्रेसिडेंट इलेक्ट डॉ.रवीश कुमार, आईएमए बरेली के प्रेसिडेंट डॉ.अतुल श्रीवास्तव, आईएमए के सेक्रेटरी डॉ.अंशु अग्रवाल, सीसीडीएसआई के पूर्व सचिव डॉ.मृत्युंजय सिंह, यूपीसीसीडीएसआई के वाइस चेयरमैन डॉ.नरसिंह वर्मा, डॉ.शरद अग्रवाल, डॉ. सुदीप सरन आदि मौजूद रहे.

रिसर्च पर करें फोकस

समय की जरूरत है कि चिकित्सकों के साथ ही विद्यार्थी भी रिसर्च पर फोकस करें. आईसीएमआर जैसी संस्थाएं इसके लिए विद्यार्थियों को एक लाख की ग्रांट प्रदान करती हैं. डॉ.धीमन ने मरीजों के उपचार में बीमारियों के प्रति जागरूकता की कमी और पोषण की कमी को भी महत्वपूर्ण बताया और स्वास्थ्य संस्थानों को इस पर काम करने की सलाह दी. एसोसिएशन ऑफ फिजीशियन ऑफ इंडिया की बरेली शाखा (एपीआई) के सहयोग से एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज के जनरल मेडिसिन विभाग और क्लिनिको कार्डियो डायबिटीज सोसायटी ऑफ इंडिया यूपी चैप्टर (यूपीसीसीडीएसआई) की ओर से शनिवार को दो दिवसीय छठवी एसआरएमएस मेडिसिन अपडेट और दूसरी यूपीसीसीडीएसआईकोन कांफ्रेंस आरंभ हुई.